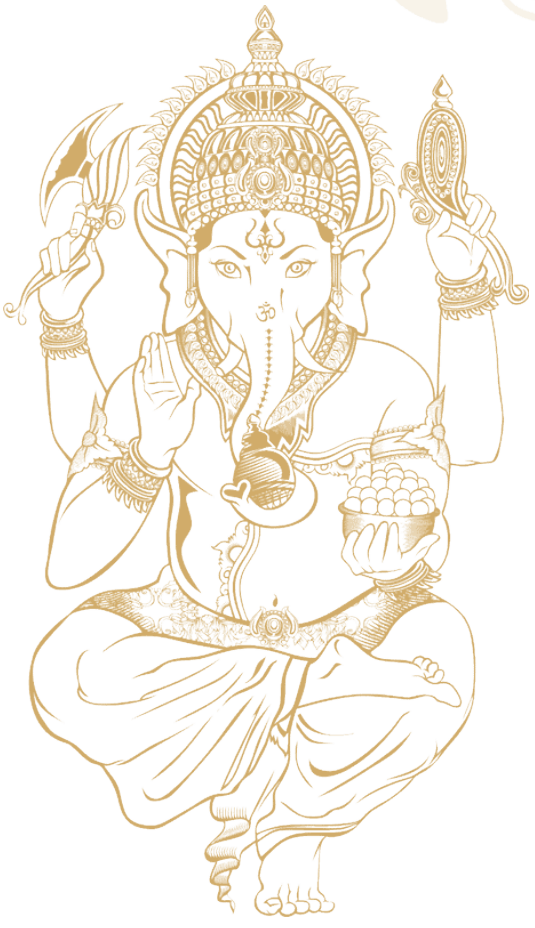

Bhavya

12 May 2009

02:32 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121699605

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
12/05/2009	जन्म तिथि	**12/05/2026**
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 14:32:00	जन्म समय	23:15:36 घंटे
घटी 22:39:34	जन्म समय(घटी)	44:28:21 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:10	सूर्योदय	05:28:15
19:07:39	सूर्यास्त	19:07:34
23:59:29	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:37

सिंह	लग्न	धनु
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
धनु	राशि	मीन
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
मूल	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
2	चरण	4
सिद्ध	योग	वैधृति
बव	करण	बव
यो-योगेश	जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
श्वान	योनि	सिंह
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	सर्प
17	गत/तत्कालिक वर्ष	18

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०फाल्गुनी	1	29:54:29	सिंह	लग्न	धनु	24:05:13	4	पूर्वाषाढ़ा
कृतिका	1	27:47:01	मेष	सूर्य	मेष	27:47:01	1	कृतिका
मूल	2	03:57:35	धनु	चंद्र	मीन	02:10:45	4	पू०भाद्रपद
रेवती	2	21:14:59	मीन	मंगल	मेष	01:05:38	1	अश्विनी
कृतिका	4	06:42:08	वृष व अ	बुध	अ मेष	25:32:26	4	भरणी
धनिष्ठा	3	01:14:48	कुंभ	गुरु	मिथु	26:27:18	2	पुनर्वसु
उ०भाद्रपद	4	14:50:18	मीन	शुक्र	वृष	28:13:05	2	मृगशिरा
पू०फाल्गुनी	3	20:56:21	सिंह व	शनि	मीन	16:11:38	4	उ०भाद्रपद
उत्तराषाढ़ा	4	08:40:48	मक व	राहु व	कुंभ	11:35:59	2	शतभिषा
पुष्य	2	08:40:48	कर्क व	केतु व	सिंह	11:35:59	4	मघा
पू०भाद्रपद	4	01:39:23	मीन	मु	मक	29:54:29	2	धनिष्ठा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:37

लग्न-चलित

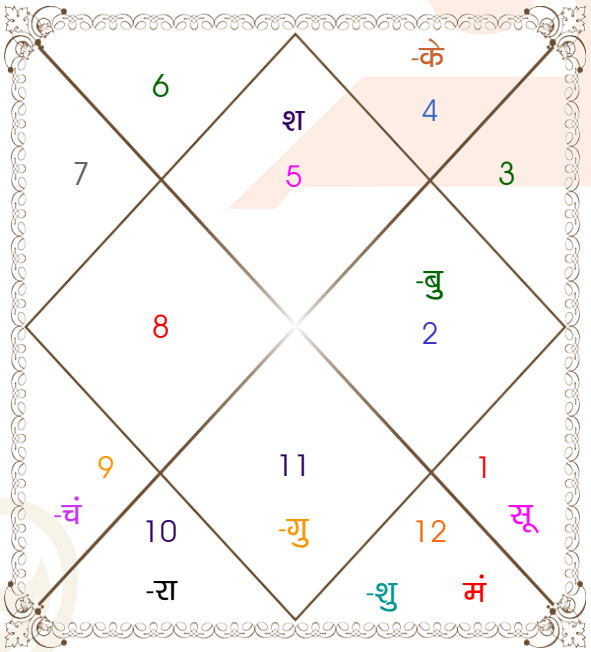

वर्ष लग्न कुंडली

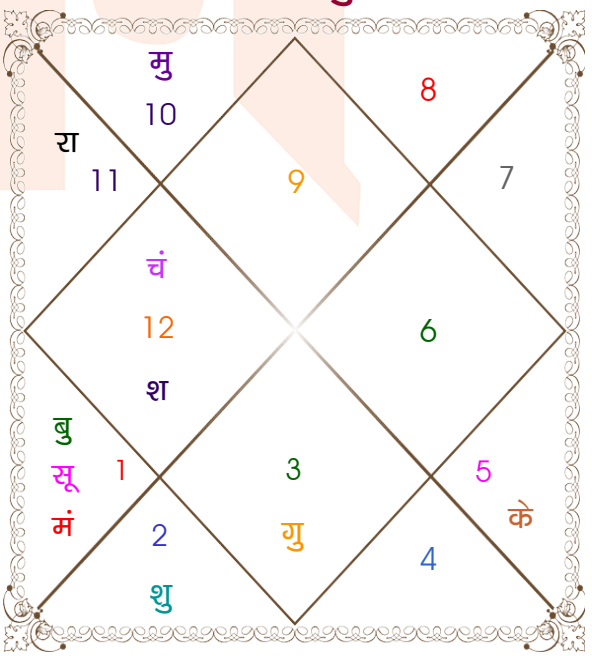

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - गुरु - सूर्य	
16/03/2026 15:35	
04/05/2026 08:23	
सूर्य	19/03/2026 02:01
चंद्र	23/03/2026 03:25
मंगल	25/03/2026 23:36
राहु	02/04/2026 06:55
गुरु	08/04/2026 18:46
शनि	16/04/2026 11:49
बुध	23/04/2026 09:24
केतु	26/04/2026 05:35
शुक्र	04/05/2026 08:23

शुक्र - गुरु - चंद्र	
04/05/2026 08:23	
24/07/2026 12:23	
चंद्र	11/05/2026 02:43
मंगल	15/05/2026 20:21
राहु	28/05/2026 00:33
गुरु	07/06/2026 20:17
शनि	20/06/2026 16:43
बुध	02/07/2026 04:41
केतु	06/07/2026 22:19
शुक्र	20/07/2026 10:59
सूर्य	24/07/2026 12:23

शुक्र - गुरु - मंगल	
24/07/2026 12:23	
19/09/2026 07:59	
मंगल	27/07/2026 19:56
राहु	05/08/2026 08:28
गुरु	12/08/2026 22:17
शनि	21/08/2026 22:11
बुध	29/08/2026 23:22
केतु	02/09/2026 06:54
शुक्र	11/09/2026 18:10
सूर्य	14/09/2026 14:21
चंद्र	19/09/2026 07:59

शुक्र - गुरु - राहु	
19/09/2026 07:59	
12/02/2027 10:23	
राहु	11/10/2026 05:57
गुरु	30/10/2026 17:28
शनि	22/11/2026 20:39
बुध	13/12/2026 13:23
केतु	22/12/2026 01:55
शुक्र	15/01/2027 10:19
सूर्य	22/01/2027 17:39
चंद्र	03/02/2027 21:51
मंगल	12/02/2027 10:23

शुक्र - शनि - शनि	
12/02/2027 10:23	
14/08/2027 13:34	
शनि	13/03/2027 10:17
बुध	08/04/2027 08:56
केतु	19/04/2027 01:19
शुक्र	19/05/2027 13:51
सूर्य	28/05/2027 17:37
चंद्र	12/06/2027 23:52
मंगल	23/06/2027 16:16
राहु	21/07/2027 03:32
गुरु	14/08/2027 13:34

शुक्र - शनि - बुध	
14/08/2027 13:34	
25/01/2028 10:05	
बुध	06/09/2027 18:40
केतु	16/09/2027 08:04
शुक्र	13/10/2027 15:29
सूर्य	21/10/2027 20:07
चंद्र	04/11/2027 11:49
मंगल	14/11/2027 01:13
राहु	08/12/2027 15:06
गुरु	30/12/2027 11:26
शनि	25/01/2028 10:05

शुक्र - शनि - केतु	
25/01/2028 10:05	
01/04/2028 21:22	
केतु	29/01/2028 08:32
शुक्र	09/02/2028 14:25
सूर्य	12/02/2028 23:23
चंद्र	18/02/2028 14:19
मंगल	22/02/2028 12:47
राहु	03/03/2028 15:40
गुरु	12/03/2028 15:35
शनि	23/03/2028 07:58
बुध	01/04/2028 21:22

शुक्र - शनि - शुक्र	
01/04/2028 21:22	
11/10/2028 15:52	
शुक्र	04/05/2028 00:27
सूर्य	13/05/2028 15:46
चंद्र	29/05/2028 17:19
मंगल	09/06/2028 23:11
राहु	08/07/2028 21:10
गुरु	03/08/2028 14:02
शनि	03/09/2028 02:34
बुध	30/09/2028 09:59
केतु	11/10/2028 15:52

शुक्र - शनि - सूर्य	
11/10/2028 15:52	
08/12/2028 11:49	
सूर्य	14/10/2028 13:15
चंद्र	19/10/2028 08:55
मंगल	22/10/2028 17:53
राहु	31/10/2028 10:05
गुरु	08/11/2028 03:08
शनि	17/11/2028 06:54
बुध	25/11/2028 11:31
केतु	28/11/2028 20:29
शुक्र	08/12/2028 11:49

शुक्र - शनि - चंद्र	
08/12/2028 11:49	
14/03/2029 21:04	
चंद्र	16/12/2028 12:35
मंगल	22/12/2028 03:31
राहु	05/01/2029 14:30
गुरु	18/01/2029 10:56
शनि	02/02/2029 17:12
बुध	16/02/2029 08:55
केतु	21/02/2029 23:51
शुक्र	10/03/2029 01:24
सूर्य	14/03/2029 21:04

शुक्र - शनि - मंगल	
14/03/2029 21:04	
21/05/2029 08:20	
मंगल	18/03/2029 19:31
राहु	28/03/2029 22:24
गुरु	06/04/2029 22:19
शनि	17/04/2029 14:42
बुध	27/04/2029 04:06
केतु	01/05/2029 02:33
शुक्र	12/05/2029 08:26
सूर्य	15/05/2029 17:24
चंद्र	21/05/2029 08:20

शुक्र - शनि - राहु	
21/05/2029 08:20	
10/11/2029 20:11	
राहु	16/06/2029 08:55
गुरु	09/07/2029 12:05
शनि	05/08/2029 23:22
बुध	30/08/2029 13:15
केतु	09/09/2029 16:08
शुक्र	08/10/2029 14:07
सूर्य	17/10/2029 06:18
चंद्र	31/10/2029 17:18
मंगल	10/11/2029 20:11

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।